भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1456 का उत्तर

पटरियों के विद्युतीकरण और विस्तार की स्थिति

1456. श्री दुष्यंत सिंह:
श्री सी. एन. अन्नादुरई:
श्री जी. सेल्वम:
श्री नवसकनी के.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में वर्तमान में चल रही रेल लाइन विद्युतीकरण परियोजनाओं की स्थिति क्या है;
(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु और राजस्थान के झालावाड़-बारां में कितनी रेल लाइनों का विद्युतीकरण किया गया है और शेष कार्यों का ब्यौरा क्या है;
(ग) संपूर्ण देश में उक्त लाइन विद्युतीकरण को पूरा करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं;
(घ) क्या उक्त रेल लाइनों के परिणामस्वरूप यात्रा समय और परिचालन लागत में अनुमानित कमी आएगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार की योजना विद्युतीकरण परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव, विशेष रूप से कार्बन उत्सर्जन को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता और भारत की जलवायु संबंधी प्रतिबद्धताओं में योगदान देने की निगरानी करने की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(च) क्या उच्च मांग वाले रेल गलियारों को विद्युतीकरण के लिए प्राथमिकता दी गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(छ) संपूर्ण देश में विद्युतीकरण परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी के लिए कौन से तंत्र विद्यमान हैं; और
(ज) क्या भारत में विद्युतीकरण प्रक्रिया को अनुकूलित करने और इसके पारिस्थितिक पादचिह्नों का न्यूनीकरण करने के लिए वैश्विक भागीदारों के साथ कोई विशिष्ट तकनीकी नवाचार या सहयोग किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ज): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

S.K

पटरियों के विद्युतीकरण और विस्तार की स्थिति के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री दुष्यंत सिंह, श्री सी. एन. अन्नादुरई, श्री जी. सेल्वम और श्री नवसकनी के. के अतारांकित प्रश्न सं. 1456 के भाग (क) से (ज) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ज): भारतीय रेल ने मिशन मोड में बड़ी लाइन रेल लाइनों के विद्युतीकरण का कार्य शुरू किया है। 2014-24 के दौरान और 2014 से पहले किया गया विद्युतीकरण निम्नानुसार है:

अवधि	विद्युतीकरण किया गया (मार्ग किलोमीटर)
2014 से पहले	21,801 मार्ग किलोमीटर
2014-24	44,199 मार्ग किलोमीटर (2019-24 के दौरान 30,512 मार्ग किलोमीटर सहित)

2014-2024 के दौरान; तमिलनाडु और राजस्थान राज्यों में क्रमशः 2,152 मार्ग कि.मी. और 4,993 मार्ग कि.मी. का विद्युतीकरण किया गया है, जिसमें 2019-24 के दौरान 1,417 मार्ग कि.मी. और 4,070 मार्ग कि.मी. का विद्युतीकरण शामिल है।

इस समय, भारतीय रेल की बड़ी लाइन नेटवर्क का कुल 97% विद्युतीकृत है।

झालावाड़-बारां (कोटा से) रेल लाइन पहले ही विद्युतीकृत हो चुकी है।

विद्युतीकरण परियोजना(ओं) का पूरा होना वन स्वीकृति, आने वाली ट्रांसमिशन लाइनों के लिए मार्गाधिकार का प्रावधान और इसकी कमीशनिंग, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक एवं स्थलाकृतिक स्थितियां, परियोजना (परियोजनाओं के) स्थल में कानून व्यवस्था की स्थिति, विशेष परियोजना स्थल के लिए वर्ष के दौरान कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। इन सभी कारकों का परियोजना(ओं) के पूरा होने के समय पर प्रभाव पड़ता है।

रेलवे एक अधिक पर्यावरण हितैषी और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है जिसमें कार्बन उत्सर्जन अत्यधिक कम है। इसके अतिरिक्त, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करने और तेल आयात को घटाने के लिए, भारतीय रेल पर 366 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र (छत और भूमि दोनों) और लगभग 103 मेगावाट के पवन ऊर्जा संयंत्रों की कमीशनिंग की गई है।

*****

S.K